ज्ञानदीप

अंक 99

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई.एस.ओ. : 9001–2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2008 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26126816, 26123436
रेलवे : 62731

छात्रावास – डी ओ टी
(020) 26130579, मो 7420041134
रेलवे : 62101, 62158

फॅक्स : 020-26128677 रेलवे : 55860
ई–मेल : iricenmail@iricen.railnet.gov.in
वेबसाईट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 26 जनवरी–मार्च–2023

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार
2. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
3. डॉ. वीरेन्द्र कुमार रैना, सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ
4. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार
5. रेल राजभाषा पत्रिका में प्रकाशन
6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक
7. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन
8. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम
9. स्वागत / विदाई
10 समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

ज्ञानदीप 25 वर्ष रजत जयंती वर्ष 1997-2022

1. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का सेमिनार

दिनांक 04.02.2023 को इरिसेन में भारतीय रेल के ''निर्माण कार्य संगठनों में क्षमता वृद्धि'' विषय पर क्षेत्रीय रेलों के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) के लिए सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में क्षेत्रीय रेलों, रेलवे बोर्ड एवं अन्य संगठनों से कुल 36 अधिकारी सम्मिलित हुए । इस अवसर पर माननीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा अधिकारियों को वीडियो कॉन्फरेन्सिंग के द्वारा संबोधित किया गया।



श्री अनिल कुमार लाहोटी, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी / रेलवे बोर्ड (भारत सरकार के पदेन प्रधान सचिव) ने सेमिनार की अध्यक्षता की। सेमिनार में श्री आर.एन.सुनकर, सदस्य/इन्फ्रास्ट्रक्चर/ रेलवे बोर्ड (भारत सरकार के पदेन सचिव) तथा श्री नरेश लालवानी, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने हिस्सा लिया। श्री अशोक कुमार, महानिदेशक/इरिसेन ने अतिथियों का स्वागत किया और सेमिनार की शुरुआत की। सेमिनार का आयोजन क्षेत्रीय रेलों के निर्माण संगठन में क्षमता वृद्धि के लिए रणनीति और कार्य योजना पर विचार–विमर्श करने के लिए किया गया था ताकि आगामी वित्तीय वर्ष में वर्तमान वित्तीय वर्ष की तुलना में प्रोजेक्ट डिलिवरी में 2–3 गुना वृद्धि हो सके। इस अवसर पर क्षेत्रीय रेलों के निर्माण संगठनों के मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों ने उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए उठाए जाने वाले विभिन्न पहलुओं पर विचार किया। डॉ.मंगू सिंह, प्रधान सलाहकार/डीएमआरसी (पूर्व प्रबंध निदेशक/डीएमआरसी), श्री ब्रिजेश दीक्षित, प्रबंध निदेशक/महाराष्ट्र मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड, श्री सुबोध गुप्ता, निदेशक (परियोजना)/एमएमआरडीए एवं श्री संजय यादव, संयुक्त प्रबंध निदेशक/ एमएसआरडीसी ने इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के शीघ्र निष्पादन पर अपने विचार एवं अनुभव साझा किए।



माननीय रेल, संचार तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय बजट में रेलवे के इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए ₹ 2.4 लाख करोड़ आवंटित किए गए हैं, जो वर्ष 2013–14 की तुलना में 9 गुना अधिक है, यह वृद्धि आगामी वर्षों में भी जारी रहेगी। क्षेत्रीय रेलों का प्रोजेक्ट पूरा करने की क्षमता को कई गुना बढ़ाना होगा। देश के विकास में रेलों के इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास बहुत महत्वपूर्ण है, हम सभी को इस अवसर पर आगे बढ़कर भारतीय रेल के विकास का हिस्सा बनना होगा। उन्होंने सभी मुख्य प्रशासनिक अधिकारियों को आगामी वित्तीय वर्ष में प्रोजेक्ट डिलिवरी को 2 से 3 गुना बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

संरक्षक
अशोक कुमार
महानिदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
अविनाश कुमार
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
प्राध्यापक, रेलपथ 2

संपादक
राजू पाल
वरिष्ठ अनुवादक
सहयोग – उदय ताजणे, व.अनुवादक

2. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार



इरिसेन में दिनांक 10 एवं 11 मार्च, 2023 को मुख्य इंजीनियर रेलपथ का सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्रीय रेलों के मुख्य इंजीनियर रेलपथ, आरडीएसओ एवं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। श्री अशोक कुमार, महानिदेशक ने सेमिनार में आए सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा सेमिनार में चर्चित विषयों में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन किया। सेमिनार में अपर सदस्य (सिविल) रेलवे बोर्ड श्री ब्रजेश कुमार गुप्ता, प्रमुख कार्यकारी निदेशक / सिविल इंजी.प्लानिंग श्री अतुल खरे, प्रमुख कार्यकारी निदेशक/इन्फ्रा.1 आरडीएसओ श्री एस.के. श्रीवास्तव, कार्यकारी निदेशक/ट्रैक.1/आरडीएसओ, श्री ए.एम. रिजवी ने सेमिनार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सेमिनार में कार्यसूची की विभिन्न मदों पर जैसे रेल, यूएसएफडी वेल्डिंग, प्वाइंट एंड क्रासिंग, यार्ड एवं ग्लूड ज्वाइंट, आईआरपीडब्ल्यूएम एवं अन्य नियमावलियां, रेलपथ अनुरक्षण, स्थापना, एलडब्ल्यूआर, एसईजे, रेलपथ संरचना एवं गति प्रमाणन पर विस्तार से चर्चा की गई एवं प्रस्तुतीकरण भी दिए गए। चर्चा के उपरांत निर्णय लिए गए एवं रेलवे बोर्ड को अनुशंसा भेजी गई।

3. डॉ. वीरेन्द्र कुमार रैना, सुप्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय पुल इंजीनियरिंग विशेषज्ञ



संस्थान में दिनांक 20.03.2023 से 22.03.2023 तक समेकित पाठ्यक्रम एवं डीएफसीसीआईएल के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए महत्वपूर्ण व्याख्यान का आयोजन किया गया। पुल इंजीनियरिंग फील्ड में डॉ. वीरेन्द्र कुमार रैना का सुप्रसिध्द व्यक्तित्व है।



उन्होंने विश्व-प्रसिद्ध वैश्विक मान्यता प्राप्त व्यावसायिक सिविल इंजीनियरिंग संस्थानों (इंग्लैण्ड तथा कनाडा से) से व्यावसायिक सदस्यता हासिल की है। उन्हें युरोप, यूनाइटेड किंगडम, यूनाइटेड स्टेटस्, कनाडा, मध्य पूर्व अफ्रिका एवं एशिया के 20 से अधिक देशों में उच्च गुणवत्ता वाले फील्ड एवं डिजाइन कार्य का अनुभव है। उन्होंने 1961 में बनारस विश्वविद्यालय से सिविल एवं म्युनिसिपल इंजीनियरिंग में स्नातक किया, वे डबल गोल्ड मेडलिस्ट रहे हैं और इम्पिरियल कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय से पीएचडी और डी.आई.सी. से सम्मानित हैं। वे यूनाइटेड नेशन्स, वर्ल्ड बैंक तथा अफ्रिकन डेवलपमेंट बैंक के साथ लगभग 17 वर्षों के लिए सीनियर कन्सलटंट एवं एक्सपर्ट रहे और उन्होंने कई सरकार एवं राज्यों के सीनियर टेक्निकल एडवाइजर के रूप में कार्य किया। वे प्रतिष्ठित चेयर प्रोफेसर ब्रिजेस (एआईसीटीई) और प्रोफेसर अमीरात हैं। उन्होंने पुल इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता का एस. बी. जोशी पुरस्कार प्राप्त किया है।

उन्होंने प्रशिक्षण से संबंधित बहुत ही महत्वपूर्ण निम्नलिखित दो विषयों पर व्याख्यान दिए : 1. गत 3500 वर्षों के दौरान – पुलों का विश्व-स्तरीय विकास 2. प्रथम-विश्व के कई देशों की तुलना में इस क्षेत्र के पुल समय से पूर्व दुर्घटनाग्रस्त एवं खराब क्यों हो जाते हैं ? व्याख्यान में श्री रैना ने बताया कि पुलों के निर्माण में किन-किन बातों को विशेष ध्यान दिया जाए जिससे कि पुल ज्यादा समय तक सेवाएं दे सकें।

4. आईपीडब्ल्यूई (आई) तकनीकी सेमिनार



इस वर्ष दिनांक 24 एवं 25 फरवरी 2023 को कोलकाता में ''चैलेंजेस इन मेन्टेनेंस एंड अपग्रेडेशन ऑफ ट्रैक फॉर ट्रैफिक रेजिम ऑफ हायर स्पीड एंड हैवियर एक्सेल लोड्स'' एंड ''ईपीसी कॉन्ट्रैक्ट अनेबलिंग विथ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस), प्रोजेक्ट सुपरविजन सर्विस (पीएसएस) एंड प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सल्टेन्सी सर्विस (पीएमसी)'' विषय पर आयोजित आईपीडब्ल्यूई (आई) सेमिनार में इरिसेन ने सक्रियता से भाग लिया। संस्थान द्वारा प्रकाशित तकनीकी पुस्तकों को प्रदर्शित करने के लिए इरिसेन द्वारा स्टॉल लगाया गया। सेमिनार में श्री अशोक कुमार, महानिदेशक/इरिसेन ने इस अवसर पर अपना संबोधन दिया इसके अतिरिक्त इरिसेन के संकाय सदस्यों में श्री सत्य प्रकाश/संकाय अध्यक्ष एवं श्री शरद कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पुल -1 द्वारा ''एसडब्ल्यूआर ऑन ओपन डेक स्टील गर्डर्स ब्रिज विथ एच बीम स्लीपर्स'', श्री राजीव त्यागी, मुख्य इंजीनियर (ट्रैक प्लानिंग) एवं श्री अनुराग रस्तोगी, प्राध्यापक/रेलपथ मशीन द्वारा ''प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसल्टेन्ट्स (पीएमसी) ऑन रेलवे प्रोजेक्ट-नीड फॉर कीपिंग पेस विथ इनवेस्टमेंट्स'', श्री अनिल चौधरी, वरिष्ठ प्राध्यापक/रेलपथ मशीन एवं श्री अंजनयेल्लू रेड्डी, मुख्य इंजीनियर/रेलपथ मशीन द्वारा ''रेल ग्राउंड प्रोफाइल एंड लूब्रिकेशन फॉर रिड्यूसिंग रेल सर्फेस फेलुअर इन हैवी एक्सेल लोड एंड इन हाई-स्पीड रुट्स'' पर पेपर भी प्रस्तुत किए गए।

5. रेल राजभाषा पत्रिका में प्रकाशन

संस्थान में कार्यरत श्री घनश्याम बंसल, वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-1 की रचना ''जीवन की पहली रेल यात्रा'' का प्रकाशन रेल मंत्रालय की त्रैमासिक पत्रिका ''रेल राजभाषा के 131 वें अंक, अक्टूबर-दिसंबर 2023 में किया गया है। रेलवे बोर्ड द्वारा श्री बंसल को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इरिसेन परिवार की ओर से बहुत-बहुत बधाई।

6. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक



संस्थान में 17 मार्च, 2023 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 155 वीं बैठक का आयोजन किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के अवसर पर अध्यक्ष एवं महानिदेशक श्री अशोक कुमार ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने संस्थान में राजभाषा हिंदी की प्रगति, राजभाषा बैठकों के नियमित एवं समय पर आयोजन तथा बैठक में सभी सदस्यों की उपस्थिति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और मातृभाषा में विचार एवं भावनाओं को यथार्थ रूप से संप्रेषित किया जा सकता है, अन्य भाषाओं में नहीं। समिति के अधिकांश सदस्यों की मातृभाषा हिंदी है, इसलिए उन्हें सरकारी कामकाज में भी हिंदी का प्रयोग करना चाहिए। श्री घनश्याम बंसल, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ 1 की रचना ''जीवन की पहली रेल यात्रा'' का रेलवे बोर्ड की अक्तूबर–दिसंबर 2022 की ''रेल राजभाषा'' पत्रिका के अंक 131 में प्रकाशन किया गया। अध्यक्ष महोदय ने रचना की सराहना करते हुए श्री बंसल को बधाइयां दी और सभी सदस्यों से आग्रह किया कि वे ''जीवन की पहली रेल यात्रा'' एक बार अवश्य पढ़ें। हिंदी साहित्य में रूचि बढ़ाने की दृष्टि से निशुल्क हिंदी ई–पत्रिका ''पुष्पांजलि'' के साहित्यिक अंगों पर चर्चा की एवं सभी सदस्यों से ई–पत्रिका ''पुष्पांजलि'' से वाटस–एप के माध्यम से जुड़ने का भी अनुरोध किया।

उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं बैठक के उपाध्यक्ष श्री अविनाश कुमार ने राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में बताया कि संस्थान में राजभाषा का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। धारा 3(3) का शत–प्रतिशत अनुपालन किया जाता है, हिंदी में कार्य करने के लिए आनेवाली किसी भी प्रकार की कठिनाइयों हेतु राजभाषा अनुभाग से सहयोग लिया जाए।

7. संस्थान में गणतंत्र दिवस का आयोजन



संस्थान में दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया। श्री अशोक कुमार महानिदेशक/इरिसेन ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत महानिदेशक महोदय ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया एवं शुभकामनाएं दी।



तत्पश्चात खेलकूद के कार्यक्रम में रस्साकस्सी, लेमनस्पून, बच्चों के लिए मनोरंजक प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन सभी कार्यक्रमों के आयोजन में प्रतिभागियों के साथ दर्शकों का भी भरपूर मनोरंजन हुआ। सभी कार्यक्रमों में महानिदेशक महोदय, संकाय सदस्य गण, प्रशिक्षु अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

8. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

1	23102	समेकित	02/05/2023	21/07/2023
2	23103	समेकित	02/05/2023	21/07/2023
3	23409	कंक्रीट प्रौद्योगिकी एवं टिकाऊपन	02/05/2023	06/05/2023
4	23610	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	02/05/2023	19/05/2023
5	23807	क्षे.रे. प्र.सं./ मं.इंजी. प्र.सं. के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	02/05/2023	06/05/2023
6	23410	गति शक्ति यूनिट	08/05/2023	12/05/2023
7	23808	जेई/ सीसेइंजी (ड्राइंग) के लिए विशेष पाठ्यक्रम	08/05/2023	19/05/2023
8	23904	डीएफसीसीआईएल ग्रेड III फेज I के कार्यकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम	08/05/2023	28/07/2023
9	23218	वेबिनार: एलडब्ल्यूआर में रेल वेल्ड विफलताएं नियंत्रित करना एवं मरम्मत के दौरान सावधानियां	11/05/2023	11/05/2023
10	23220	वेबिनार: फैब्रिकेशन में विरूपण नियंत्रण	12/05/2023	12/05/2023
11	23306	प्रधान मुख्य इंजीनियर सेमिनार	19/05/2023	20/05/2023
12	23611	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (पुल)	22/05/2023	09/06/2023
13	23809	ऑटो–कैड	22/05/2023	26/05/2023
14	23310	ऊर्जा दक्षता पर कार्यशाला	25/05/2023	27/05/2023
15	23221	वेबिनार: रेल तटबंध के लिए ढलान स्थिरता विश्लेषण	26/05/2023	26/05/2023

16	23810	आधुनिक सर्वेक्षण एवं भूमि प्रबंधन	29/05/2023	02/06/2023
17	23011	एमईएस इंजीनियरों के लिए पाठ्यक्रम	05/06/2023	09/06/2023
18	23612	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	05/06/2023	23/06/2023
19	23222	वेबिनार: ईपीसी, पीएमसी एवं कन्सल्टन्सी कॉन्ट्रैक्ट्स पर दिशानिर्देश	09/06/2023	09/06/2023
20	23411	आधुनिक सर्वेक्षण	12/06/2023	16/06/2023
21	23811	कंक्रीट प्रौद्योगिक, पुलों के लिए पीएससी/ आरसीसी	12/06/2023	16/06/2023
22	23303	मुख्य इंजीनियर/ टीएम सी सेमिनार	15/06/2023	16/06/2023
23	23812	यार्ड लेआउट उन्नयन एवं अनुरक्षण	19/06/2023	23/06/2023
24	23223	वेबिनार: रेल संरचना पारस्परिक क्रिया विश्लेषण	23/06/2023	23/06/2023
25	23613	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एसएसटीडब्ल्यू)	26/06/2023	01/07/2023
26	23614	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (कार्य)	26/06/2023	07/07/2023
27	23615	पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (रेलपथ)	03/07/2023	21/07/2023
28	23224	वेबिनार: नर्म मिट्टी पर तटबंध का निर्माण	07/07/2023	07/07/2023
29	23813	160 किमी./घंटा के लिए रेलपथ अनुरक्षण	10/07/2023	21/07/2023
30	23225	वेबिनार : विवाचन में विवाचक की भूमिका एवं उत्तरदायित्व	21/07/2023	21/07/2023
31	23422	गति शक्ति यूनिट	24/07/2023	28/07/2023
32	23453	मिडास	24/07/2023	28/07/2023
33	23814	क्षे.रे. प्र.सं./ मं. इंजी. प्र. सं. के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण	24/07/2023	28/07/2023
34	23815	फॉर्मेशन कन्सट्रक्शन एवं पुनर्स्थापना	24/07/2023	28/07/2023
35	23419	यूएसएफडी एवं रेल ग्राइंडिंग	31/07/2023	04/08/2023
36	23427	पुल योजना एवं निर्माण	31/07/2023	04/08/2023
37	23816	अवपथन जांच	31/07/2023	04/08/2023
38	23817	स्टील गर्डर का फैब्रिकेशन, पुल का निरीक्षण एवं अनुरक्षण	31/07/2023	04/08/2023
39	23818	बिल्डिंग योजना, निर्माण एवं अनुरक्षण	31/07/2023	11/08/2023

स्वागत एवं विदाई



श्री सूरज सुमन, सी.से.इंजी./रेलपथ मशीन/भुसावल ने दिनांक 26 दिसंबर, 2022 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/ रेलपथ मशीन के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी./ रेलपथ मशीन/भुसावल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री आकाश खाकरे, सी.से.इंजी./केन्द्रीय इंजी. वर्कशॉप/मनमाड़ ने दिनांक 05 जनवरी, 2023 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/पुल–1 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप केन्द्रीय इंजी. वर्कशॉप/मनमाड़ में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री असदुल्लाह, सी.से.इंजी./पुल/सिलचर ने दिनांक 13 जनवरी, 2023 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/पुल–3 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी.पुल/ सिलचर/पू.सी.रेल में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री भोज राठौर, सी.से.इंजी./रेलपथ (गति शक्ति)/रतलाम ने दिनांक 27 जनवरी, 2023 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक/रेलपथ – 8 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इरिसेन में आने से पूर्व आप सी.से.इंजी./रेलपथ (गति शक्ति)/ रतलाम में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



श्री मयूर बी. आवारे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक ने दिनांक 03 फरवरी, 2023 को इरिसेन में वरिष्ठ अनुदेशक / रेलपथ – 11 के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। वरिष्ठ तकनीकी सहायक के पद पर वे इरिसेन में ही कार्यरत थे। इरिसेन परिवार की ओर से बहुत–बहुत बधाई।

10. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

सत्र संख्या क्र. 22103

प्रथम



श्री कुमार हरीश,
सहा. इंजी./
प्लानिंग हाजीपुर,
पू.मध्य रेल

द्वितीय



श्री कर्मवीर यादव,
सहा.कार्यकारी
इंजी./नि. मेरठ
कैंट,उ.रेल

तृतीय



श्री वी. के.शर्मा,
सहा. कार्यकारी
इंजी./टी.आर.
उ. रेल (मुख्यालय)

श्री अविनाश कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ 2 भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–। द्वारा केवल सीमित नि:शुल्क वितरण हेतु प्रकाशित ।